दिन– बुधवार | दिनांक– 25 / 06 / 2025

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– शाम 7.30 बजे से। | अवधिः– 15 मिनट

---

01. लोकतंत्र को बचाने के लिए बलिदान देने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज देशभर में संविधान हत्या दिवस मनाया जा रहा है।

02. भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार होकर एक्सिओम–4 मिशन के लिए रवाना। श्री राकेश शर्मा के बाद चार दशकों में अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने शुभांशु।

03. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के लिए अंतरिक्ष में नई उपलब्धि हासिल करने के लिए कैप्टन शुक्ला को बधाई दी।

04. और, बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुये निर्वाचन आयोग ने आज से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य शुरू किया।

————————————————————————

लोकतंत्र को बचाने के लिए बलिदान देने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज देशभर में संविधान हत्या दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन हमें उन घटनाओं की याद दिलाता है, जब 25 जून, 1975 को संविधान का गला घोंटकर देश पर आपातकाल थोप दिया गया था। यह आपातकाल से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने का दिन है। एक रिपोर्ट–

———बाइट———

आपातकाल के दौरान जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और अन्य विपक्षी नेताओं को आंतरिक सुरक्षा अधिनियम मीसा के तहत गिरफ्तार किया गया था। शाह आयोग की रिपोर्ट के अनुसार इस अधिनियम का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया था और लगभग 35000 लोगों को बिना किसी सुनवाई के हिरासत में लिया गया था। भारतीय जेलों में 183000 की क्षमता के मुकाबले 2 लाख 20 हजार से अधिक कैदी थे। इनमें से 126000 से अधिक विचाराधीन कैदी थे। आकाशवाणी के मन की बात कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि आपातकाल के दौरान अत्याचारों का सामना करने के बावजूद लोगों का लोकतंत्र में विश्वास बरकरार रहा। जब इमरजेंसी लगाई गई उसमें देश के नागरिकों से सारे अधिकार छीन लिए। उसमें से एक अधिकार संविधान के आर्टिकल 21 के तहत सभी भारतीयों को मिला राइट टू लाइफ एंड पर्सनल लिबर्टी भी था। आपातकाल के दौरान जेल में बंद रहे प्रख्यात पत्रकार राम बहादुर राय ने आकाशवाणी से बात की और उस दौरान में अत्याचारों के बारे में बताया। उस रात को जो सबसे पहले हमला हुआ वह दो जगह हुआ। भारत सरकार ने इंदिरा गांधी के सरकार ने किया। एक मीडिया पर हमला किया, दूसरा जेपी और चंद्रशेखर जैसे नेताओं की गिरफ्तारी से किया। लगभग 21 महीने तक चले आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था और मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिए गए थे। अनुपम मिश्र, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

आपातकाल के दौरान लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया था। उन्होंने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया

था, जिसका उद्देश्य सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन लाना था।

---बाइट---

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों, मौलिक अधिकारों और प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पच्चीस जून उन्नीस सौ पचहत्तर को कांग्रेस ने अपनी सरकार बचाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर आपातकाल की घोषणा की।

---बाइट---

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आपातकाल को याद करते हुये इसे तत्कालीन सरकार की तानाशाही का प्रतीक बताया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार ने हमेशा संविधान, न्याय, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय की भावना को अपने विकास का मार्ग बनाया है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर दिलीप जायसवाल ने आज संविधान हत्या दिवस के अवसर पर आपातकाल को भारतीय इतिहास का काला अध्याय बताया।

---बाइट---

बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आपातकाल के पचास साल पूरे होने पर कहा कि लोकतंत्र के हत्यारों को देश ने सत्ता से बाहर कर दिया है।

---बाइट---

संविधान हत्या दिवस के अवसर पर आपातकाल के खिलाफ लड़ने वाले पूर्व विधानपार्षद हरेंद्र प्रताप पांडे ने उस काले दौर की सच्ची दास्तान साझा करते हुए आपातकाल में जान गंवाने वालों और पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

---बाइट---

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा हमारी श्संविधान बचाओ यात्राश से घबरा कर पचास साल पहले के आपातकाल की बात कर रही है।

---बाइट---

प्रदेश के विभिन्न भागों में संविधान हत्या दिवस का आयोजन किया गया। कला संस्कृति और युवा विभाग की ओर से प्रदेशभर में विशेष जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं, प्रदेश भाजपा की ओर से दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी और स्वास्थ्य और विधि मंत्री मंगल पांडेय शामिल हुए। इस कार्यक्रम में कई जेपी सेनानियों को सम्मानित किया गया। इधर, औरंगाबाद में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन भी शामिल हुए।

भारत के शुभांशु शुक्ला ने तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार होकर एक्सिओम–4 मिशन के लिए रवाना एक्सिओम–4 मिशन के लिये कैनेडी अंतरिक्ष केन्द्र से दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर उड़ान भरी।

--- बाइट---

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के बाद ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने अंतरिक्ष से एक संदेश भेजा, जिसमें उन्होंने कहा कि यह एक अद्‌भुत यात्रा है।

---बाइट---

नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियो, वॉट अ राइड। 41 साल बाद हम वापस अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं और कमाल की राइड थी। इस समय हम साढे सात किलोमीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार से पृथ्वी के चारों तरफ घूम रहे हैं, और मेरे कंधे पर मेरे साथ मेरा तिरंगा है जो मुझे बता रहा है कि मैं आप सबके साथ हूं। ये मेरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक की ये जर्नी की शुरूआत नहीं है, ये भारत के ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम की शुरूआत है, और मैं चाहता हूं कि आप सभी देशवासी इस यात्रा का हिस्सा बनें। आपका भी सीना गर्व से चौड़ा होना चाहिए। आप भी उतना एक्साइटमेंट दिखाईये, आईये हम सब मिलकर भारत के ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम की जर्नी की शुरूआत करें। जय हिंद, जय भारत।

तीन अप्रैल 1984 को राकेश शर्मा के बाद शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय हैं।

हमारे संवाददाता ने बताया है कि इस ऐतिहासिक अवसर का जश्न मनाने के लिए शुभांशु के माता–पिता ने लखनऊ में शुभांशु के स्कूल में छात्रों और शिक्षकों के साथ लाइव लॉन्च देखा।

---बाइट---

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हुए लखनऊ के शुभांशु शुक्ला ने न सिर्फ देश का नाम रोशन किया है बल्कि अपने परिवार, शिक्षकों और स्कूली बच्चों के सपनों को भी पंख दिए हैं। शुभांशु शुक्ला के परिवार में गर्व और खुशी का माहौल है, उनकी मां आशा शुक्ला ने कहा हम बेहद खुश हैं और बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। बहुत बड़ा क्षण है, इतने दिन से इंतजार हो रहा था, आज वो पल आ गया आखिर में, बहुत बहुत शुभकामना दीं है। एक्सीओम – 4 का यह क्षण सिर्फ वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं है बल्कि भावनात्मक यात्रा भी है। शुभांशु के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने कहा कि यह उपलब्धि सिर्फ लखनऊ ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है। बहुत गौरव की बात है हमारे लिए तो बहुत ही, देश–विदेश के लिए सभी के लिए बात है और उसका एचीवमेंट है और जो सोचा नहीं था कि बेटा इतनी ऊंचाई पर रहेगा इतना ऊंचा जायेगा। राकेश शर्मा के अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बनने के बाद करीब 41 वर्ष बाद ये प्रक्षेपण भारत की अंतरिक्ष में वापसी का प्रतीक है। ओम अवस्थी, आकाशवाणी समाचार, लखनऊ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में भारत के लिए एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि पूरा देश उनकी इस उपलब्धि से उत्साहित और गौरवान्वित है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत, हंगरी, पोलेंड और अमरीका के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत किया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला अपने साथ 140 करोड भारतीयों की इच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर गए हैं। श्री मोदी ने उन्हें और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को सफलता की शुभकामनाएं दीं।

निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुये आज से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य शुरू किया है। कार्यक्रम के तहत बूथ लेवल अधिकारी मतदाता के सत्यापन के लिए घर–घर जाकर सर्वेक्षण कर रहे हैं।

---

01. लोकतंत्र को बचाने के लिए बलिदान देने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज देशभर में संविधान हत्या दिवस मनाया जा रहा है।

02. भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार होकर एक्सिओम–4 मिशन के लिए रवाना। श्री राकेश शर्मा के बाद चार दशकों में अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने शुभांशु।

03. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के लिए अंतरिक्ष में नई उपलब्धि हासिल करने के लिए कैप्टन शुक्ला को बधाई दी।

04. और, बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुये निर्वाचन आयोग ने आज से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य शुरू किया।

समाप्त